>

Title: Need to construct a bridge over gate no. 4 and 5 in Phulwariya Manas Nagar Colony in District Chandauli.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि रेलवे लाइनों के किनारे जो गांव और कस्बे बसे हुए हैं, वहां आने-जाने का रास्ता न होने से काफी गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है। वहां आये दिन जान-माल को खतरा पैदा हो रहा है या उसकी क्षति भी हो रही है। जनपद वाराणसी के अंतर्गत फुलवरिया मानसनगर कालोनी है। वहां अब तक दो वर्षों में आधे दर्जन लोगों की जानें चली गई हैं। फुलवरिया गेट नं.-4 एवं गेट नं.-5 के बीच कोई रास्ता नहीं है। वहां रेलवे की खाली जमीन पड़ी है, लेकिन उससे होकर रास्ता नहीं है। लोग रेलवे लाइन को सीधे क्रास करके आते-जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप अब तक आधा दर्जन लोगों की जानें जा चुकी हैं। इसी तरह से चन्दौली जनपद के कई ऐसे कस्बे हैं, जो रेलवे लाइनों किनारे बसे हैं और देश भर में बहुत से ऐसे कस्बे और गांव हैं जो दो-दो, तीन-तीन रेलवे लाइनों के बीच बसे हुए हैं। हमारी फुलवरिया मानसनगर कालोनी की स्थिति भी ऐसी ही है कि वहां दो तरफ रेलवे लाइन, एक तरफ से कैन्टोनमैन्ट बोर्ड की छावनी और एक तरफ वरुणा नदी पड़ती है। उस क्षेत्र की आबादी लगभग 20-25 हजार है। वहां के लोगों के लिए आने-जाने का रास्ता रेलवे पटरियों के किनारों को छोड़कर और कोई नहीं है। परंतु रेलवे विभाग उस रास्ते को भी अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आंशिक रूप से पूरे रास्ते को बंद करने का प्रयास किया है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार की रेल मंत्री महोदया से मांग करता हूं कि मानसनगर की आबादी में बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी बसे हुए हैं। उनके आने-जाने का रेलवे लाइन के किनारे से जो रास्ता था, उसे चालू कराया जाए और उनके आने-जाने के लिए फुलवरिया गेट नं-4 और 5 के बीच में पैदल आने-जाने के लिए एक ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए, यही हमारी सरकार से मांग है। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।